अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) | दिनांक 22.12.2016

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु विचार दर्शन – 80

प्र.1 किन्हीं 10 प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिये – 10

(क) हरिभद्रसूरी ने चैत्यवासियों की शिथिलता का वर्णन किसमें किया है?

(ख) आचार्य भिक्षु के अनुसार जो धर्म के लिए हिंसा को आवश्यक मानते हैं उनका क्या लुप्त हो जाता है?

(ग) हिंसा और अहिंसा का मूल स्रोत क्या है?

(घ) राजनगर चातुर्मास में भिक्खणजी के साथ कौन–कौन से सन्त थे?

(ङ) धार्मिक प्रवृत्ति किसे कहते हैं?

(च) भगवान महावीर ने कौनसी व्यवस्था में धर्म को लौकिक और लोकौतर भागों में विभक्त किया?

(छ) आचार्य भिक्षु कौनसी विशिष्ट अनुभूतियों के पुंज थे?

(ज) ''महाराज आचार और अधिक चमक उठे, यदि आप वस्त्र न पहनें।'' यह कथन किसने किससे कहे?

(झ) तेरापंथ के वे कौन से बालसाधु थे जिनके सत्याग्रह के आगे पिता का आग्रह टूट गया? तथा उस समय उनकी आयु कितनी थी?

(ञ) व्यास के शब्दों में अष्टादश पुराणों का सार क्या है?

(ट) तेरापंथ की प्रारम्भिक स्थिति में कुछ साधु तम्बाकू सूंघते थे? उनके लिए क्या मर्यादा थी?

(ठ) अचार्य भिक्षु ने तत्त्व चर्चा के लिए रात्रि जागरण कहाँ किया?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दें – 10

(क) संसार क्या है? तथा इसकी आवृत्ति कैसे होती है?

(ख) ''साध्य साधना और साधन की पवित्रता साधु समाज का नैसर्गिक रूप है।'' इसके लिए आचार्य भिक्षु ने कौनसी तीन बातें याद दिलाईं?

(ग) लोहे की बेड़ी व सोने की बेड़ी किसे कहा गया है? इनमें से कौनसी बेड़ी मोक्ष में सहायक है?

(घ) आचार्य भिक्षु दान मीमांसा का सार क्या है?

(ङ) आचार्य भिक्षु ने अन्तिम निर्णायक आचार्य को माना है फिर उन्होंने बहुश्रुत साधुओं को उचित स्थान दिया कैसे?

(च) आचार्य के निर्वाचन में किन–किन बातों का विशेष ध्यान दिया जाता है?

प्र.3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें – 28

(क) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु ने ''अनुशासन को जितना महत्त्व दिया है, उतना स्वतन्त्रता का सम्मान भी किया है।''

(ख) आचार्य भिक्षु द्वारा निर्मित संविधान में दोष परिमार्जन का प्रकरण क्या है?

(ग) जैन धर्म पर आचार्य भिक्षु की अगाध श्रद्धा थी, पर वे जैन धर्म को संकुचित अर्थ में नहीं मानते। आचार्य भिक्षु के विचारों द्वारा व्याख्यायित करें।

(घ) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि ''जहर को अमृत वही बना सकता है जिसमें जहर न हो।''

(ङ) आचार्य भिक्षु ने संघ व्यवस्था में भगवान महावीर के कौनसे आठ सूत्रों को क्रियान्वित किया?

(च) मिश्र धर्म पर टिप्पणी लिखें।

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें – 32

(क) आचार्य भिक्षु के ''साध्य साधनवाद'' के विविध पहलूओं को स्पष्ट करें।

(ख) महाव्रतों की युगपत प्राप्ति को अपने शब्दों में लिखें।

(ग) ''संसार और मोक्ष के मार्ग भिन्न हैं वे समानान्तर रेखा की तरह एक साथ रहते हुए भी कहीं नहीं मिलते।'' आचार्य भिक्षु व अन्य विचारकों के विचारों द्वारा स्पष्ट करें।

भिक्षु वाणी – 20

प्र.5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 8

(क) मीगंण्यांरी.....अधिकी थाय।।

(ख) जिम कोई.....वसत बिगाड़े।।

(ग) सोर ठंडो.....पड़े जातो।।

(घ) जेहने जेहवा.....थी खाय।।

प्र.6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें – 6

(क) जे कायर.....जनम बिगाड़ियों।।

(ख) आभे फाटे.....परिया बधार।।

(ग) उणनें छोटां.....दिन जाय।।

(घ) शंकां नें.....उठ्या वेंरी।।

प्र.7 कोई दो पद्य लिखें – 6

(क) असाधु (ख) नारी (ग) परख (घ) द्वेष